CARMEL CONVENT SR. SEC. SCHOOL, B.H.E.L BHOPAL
SYLLABUS 2017- 18
SUBJECT – SANSKRIT
CLASS -VI

Periodic Assessment- I

पाठ्य पुस्तक – अमृतवाणी

1– लट् लकार– प्रथम पुरुष
2– लट् लकार– मध्यम पुरुष
3– लट् लकार– उत्तम पुरुष

व्याकरण :– वर्णमाला

षब्द रूपः– राम, बालिका, फल
धातु रूपः– पठ्, हस्, क्रीड्, पा

Half Yearly Exam

पाठ्य पुस्तक – अमृतवाणी

1– लट् लकार – प्रथम पुरुष
2– लट् लकार – मध्यम पुरुष
3– लट् लकार – उत्तम पुरुष
4– लृट् लकार – प्रथम पुरुष
5– लृट् लकार – मध्यम पुरुष
6– लृट् लकार – उत्तम पुरुष
7– सर्वनाम प्रयोगः
8– कारक परिचयः
9– कर्ता कारक (प्रथमा विभक्मि)
10– कर्म कारक (द्वितीया विभक्ति)
11– करण कारक (तृतीया विभक्ति)
12– संप्रदान कारक (चतुर्थी विभक्ति)

व्याकरण– 1–षब्द रूप – अकारांत पुल्लिगः– राम, बालक, नर
आकारांत स्त्रीलिंगः– बालिका, लता, रमा
अकारांत नपुंसकलिंगः– फल, पुस्तक, पुष्प

2–सर्वनाम षब्द – अस्मद्, युष्मद्, एतत्, तत्, किम् (त्रिषु लिंगेषु) प्रथमतः चतुर्थी पर्यन्तम्

3– धातु रूप– लट् लकारे – पठ्, हस्, क्रीड्, पा, गम्, दृष, भू, अस्, कृ, स्था, यच्छ्, पत्, नम्, धाव्

4– प्रत्यय :– क्त्वा, तुमुन्
5– संधि :– दीर्ध संधि
6– संख्या :– एकतः विंषतिः पर्यन्तं
7– वाक्य संषोधनं
8– विलोम / पर्यायवाचिः
9– पषूनाम् नामानि / षाकानाम् नामानि
10– अपठित गद्यांषं
11– चित्र वर्णनं
12– वर्णमाला

Periodic Assessment-II

पाठ्य पुस्तक– अमृत वाणी

13– अपादान कारक (पंचमी विभक्ति)

14– संबंध कारक (षष्ठी विभक्ति)

15– अधिकरण कारक (सप्तमी विभक्ति)

व्याकरणः– वर्ण संयोजनम् / वियोजनम्

षब्द रूपः– वृक्ष, रमा, पुस्तक

धातु रूप :– गम्, भू, कृ, पत्– लृट् लकारे

Yearly Exam

पाठय पुस्तक– अमृत वाणी

12– संप्रदान कारक (चतुर्थी विभक्ति)

13– अपादान कारक पंचमी विभक्ति

14– संबंध कारक (षष्ठी विभक्ति)

15– अधिकरण कारक (सप्तमी विभक्ति)

16– संबोधन कारक

17– सिंहः मूषकः च

18– चतुरः काकः

19– चतुरः वृद्वः

20– बुद्वेःषक्तिः

21– सुभाषितानि

22– महात्मा गांधी

23– मूर्खमित्रम्

व्याकरण– 1– षब्द रूप– अकारांत पुल्लिंगः– वृक्ष, बालक, गज

आकारांत स्त्रीलिंगः– कक्षा, विद्या, षाखा

अकारांत नपुंसकलिंगः– पुस्तक, गृह, मित्र

2– सर्वनाम षब्द– अस्मद्, युष्मद्, एतत्, तत्, किम् (त्रिषु लिंगेषु)

3– धातु रूप :– लट् , लृट् लकारे च (पूर्व पठिताः)

4– प्रत्यय :– क्त्वा, तुमुन्, ल्यप् च

5– संधिः :– दीर्ध गुण संधिः च

6– संख्या :– एकतः त्रिंषत् पर्यन्तं

7–विलोम / पर्यायवाचि षब्दाः

8– पक्षिणाम् / फलानाम् नामानि

9– अपठित गद्यांषं

10– चित्र वर्णनं

11– वर्ण संयोजनम् / वियोजनम्

NOTE :- *Syllabus subject to change as per guidelines by the CBSE.*